Publication	Punjab Kesari
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	02
Date	28th Oct 2018

पंजाब केसरी

दो दिवसीय दिवाली मेले की धूम

गुरुग्राम, सतबीर भारद्वाज, (पंजाब केसरी): रोशनी, मिठाइयों, नए-नए कपड़ों, रंगोली के रंगों का त्योहार दिवाली सबके मन को खुशियों से भर देता है। कहीं बच्चों की पटाखों को फोड़ने की धूम तो कहीं लक्ष्मी-गणेशजी की पूजा-अर्चना, तो कहीं दीयों से जगमगाता घर का कोना-कोना। ऐसी ही कुछ चहल-पहल, खुशियों से परिपूर्ण नजारा वाटिका ग्रुप के प्रबंधन संस्थान एनवायरो की ओर से आयोजित दो दिवसीय दिवाली मेले में देखने को मिला। सेक्टर-49 स्थित वाटिका सिटी में दोपहर 12 बजे से रात साढ़े नौ बजे तक दिवाली मेले का आयोजन किया गया था। हर साल की तरह इस वर्ष भी दिवाली मेले में कई तरह की दुकानें सजाई गई, जिसमें रंग-बिरंगे परिधानों, मिठाइयां, लजीज जायकेदार व्यंजनों, गहनों, पटाखों, बच्चों के खिलौने एवं बड़े-बड़े झूले, घरों को सजाने के लिए मिट्टी के रंग-बिरंगे दीये, लाइट्स और मोमबत्तियां आदि शामिल थे। दुकानों पर लगी भीड़ बता रही थी कि सभी इस दिवाली मेले का लुत्फ जमकर उठा रहे हैं। यह त्योहार वास्तव में संस्कृति, रंगों, परंपराओं और खुशहाली का उत्सव है। इस मौके पर पूरी सोसाइटी को निवासियों ने रंगोली के रंगों को जमीन पर उकेरकर दीयों की रोशनी की हुई थी। वाटिका सिटी की रहने वाली निवासी अंकिता ने कहा कि दिवाली रंगों और दीयों का त्यौहार है जिसमें अपने परिवारजन और मेहमानों संग भागदौड़ भरी जिंदगी से हटकर कुछ पल साथ बिताने का मौका मिलता है।

Publication	Gurgaon Today
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	08
Date	28th Oct 2018

गुड़गांव टुडे

दो दिवसीय दिवाली मेले से वाटिका सिटी में रही धूम

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

रौशनी, मिठाइयों, नए-नए कपड़ों, रंगोली के रंगों का त्यौहार दिवाली सबके मन को खुशियों से भर देता है। कही बच्चों की पटाखों को फोड़ने की धूम तो कहीं श्री लक्ष्मी-गणेशजी की पूजा अर्चना तो कहीं दीयों से जगमगाता घर का कोना-कोना। ऐसा ही कुछ चहल-पहल, खुशियों से परिपूर्ण नजारा वाटिका ग्रुप के प्रबंधन संस्थान एनवायरो की ओर से आयोजित दो दिवसीय दिवाली मेले में देखने को मिला। सेक्टर-49 स्थित वाटिका सिटी में दोपहर 12 बजे से रात्री 9:30 बजे तक दिवाली मेले का आयोजन किया गया था। यह मेला 25 और 26 अक्टूबर को हुआ।

हर साल की तरह इस वर्ष भी दिवाली मेले में कई तरह की दुकानें सजाई गई जिसमें रंग-बिरंगे परिधानों, मिठाइयां, लजीज जायकेदार व्यंजनों, गहनों, पटाखों, बच्चों के खिलौने एवं बड़े-बड़े झुले,घरों को सजाने के लिए मिट्टी के रंग-बिरंगे दीये, लाइट्स और मोमबत्तियां आदि शामिल थे। दुकानों पर लगी भीड़ बता रही थी कि सभी इस दिवाली मेले का लुफ़्त जमकर उठा रहे थे। यह त्यौहार वास्तव में संस्कृति, रंगों, परंपराओं और खुशहाली का उत्सव है। इस मौके पर पूरी सोसाइटी को निवासियों ने रंगोली के रंगों को जमीन पर उकेरकर दीयों की रौशनी की हुई थी। इसके अतरिक्त बच्चों को लुभाने और उनके मनोरंजन के लिए गेम्स स्टाल्स का भी इंतजाम हुआ था।

वाटिका सिटी की रहने वाली निवासी अंकिता ने कहा कि दिवाली रंगों और दीयों का त्यौहार है जिसमें अपने परिवारजन और मेहमानों संग भागदौड़ भरी जिंदगी से हटकर कुछ पल साथ बिताने का मौका मिलता है।

एनवायरो की ओर से आयोजित इस दिवाली मेले में एक जगह खरीदारी करने का भी अवसर मिला। सभी के लिए यह अच्छा मौका है फेस्टिवल में कुछ न कुछ खरीदने का। लोग त्यौहारी सीजन में यहां से उपहार लेकर भी अपने प्रियजन को दे सकते हैं। मैंने भी कुछ उपहार खरीदे हैं साथ ही सुकून से उत्सव का आनंद भी लिया। मेले में बच्चों से लेकर बुजुर्ग सभी के मनोरंजन के लिए कुछ न कुछ मौजूद था।

Publication	Human India
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	03
Date	28th Oct 2018

हिन्दी दैनिक ह्यूमन इंडिया
हम बनेंगे आपकी आवाज

दो दिवसीय दिवाली मेले का किया गया आयोजन

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। रौशनी, मिठाइयों, नए-नए कपड़ों, रंगोली के रंगों का त्यौहार दिवाली सबके मन को खुशियों से भर देता है। कहीं बच्चों की पटाखों को फोड़ने की धूम तो कहीं श्री लक्ष्मी-गणेशजी की पूजा अर्चना तो कहीं दीयों से जगमगाता घर का कोना-कोना। ऐसा ही कुछ चहल-पहल,खुशियों से परिपूर्ण नज़ारा वाटिका ग्रुप के प्रबंधन संस्थान एनवायरो की ओर से आयोजित दो दिवसीय दिवाली मेले में देखने को मिला। सेक्टर-49 स्थित वाटिका सिटी में दोपहर 12 बजे से रात्री 9:30 बजे तक दिवाली मेले का आयोजन किया गया था।

यह मेला 25 और 26 अक्टूबर को हुआ। हर साल की तरह इस वर्ष भी दिवाली मेले में कई तरह की दुकानें सजाई गई जिसमें रंग-बिरंगे परिधानों, मिठाइयां, लज़ीज जायकेदार व्यंजनों, गहनों, पटाखों, बच्चों के खिलौने एवं बड़े-बड़े झूले,घरों को सजाने के लिए मिट्टी के रंग-बिरंगे दीये, लाइट्स और मोमबत्तियां आदि शामिल थे। दुकानों पर लगी भीड़ बता रही थी कि सभी इस दिवाली मेले का लुफ़्त जमकर उठा रहे थे। यह त्यौहार वास्तव में संस्कृति, रंगों, परंपराओं और खुशहाली का उत्सव है। इस मौके पर पूरी सोसाइटी को निवासियों ने रंगोली के रंगों को जमीन पर उकेरकर दीयों की रौशनी की हुई थी। इसके अतरिक्त बच्चों को लुभाने और उनके मनोरंजन के लिए गेम्स स्टाल्स का भी इंतेज़ाम हुआ था। वाटिका सिटी की रहने वाली निवासी अंकिता ने कहा कि दिवाली रंगों और दियो का त्यौहार है जिसमें अपने परिवारजन और मेहमानों संग भागदौड़ भरी जिंदगी से हटकर कुछ पल साथ बिताने का मौका मिलता है।

एनवायरो की ओर से आयोजित इस दिवाली मेले में एक जगह खरीदारी करने का भी अवसर मिला। सभी के लिए यह अच्छा मौका है फेसटिवल में कुछ न कुछ खरीदने का। लोग त्यौहारी सीजन में यहां से उपहार लेकर भी अपने प्रियजन को दे सकते हैं। मैंने भी कुछ उपहार खरीदे हैं साथ ही सुकून से उत्सव का आनंद भी लिया मेले में बच्चों से लेकर बुजुर्ग सभी के मनोरंजन के लिए कुछ न कुछ मौजूद था।

Publication	Aaj Samaj
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	03
Date	28th Oct 2018

आज समाज

दो दिवसीय दीपावली मेले की धूम रही

आज समाज नेटवर्क

गुरुग्राम। रोशनी, मिठाइयों, नए-नए कपड़ों, रंगोली के रंगों का त्योहार दिवाली सबके मन को खुशियों से भर देता है। कहीं बच्चों की पटाखों को फोड़ने की धूम तो कहीं लक्ष्मी-गणेशजी की पूजा-अर्चना, तो कहीं दीयों से जगमगाता घर का कोना-कोना। ऐसी ही कुछ चहल-पहल, खुशियों से परिपूर्ण नजारा वाटिका ग्रुप के प्रबंधन संस्थान एनवायरो की ओर से आयोजित दो दिवसीय दिवाली मेले में देखने को मिला।

सेक्टर-49 स्थित वाटिका सिटी में दोपहर 12 बजे से रात साढ़े नौ बजे तक दिवाली मेले का आयोजन किया गया था। हर साल की तरह इस वर्ष भी दिवाली मेले में कई तरह की दुकानें सजाई गई, जिसमें रंग-बिरंगे परिधानों, मिठाइयां, लजीज जायकेदार व्यंजनों, गहनों, पटाखों, बच्चों के खिलौने एवं बड़े-बड़े झूले, घरों को सजाने के लिए मिट्टी के रंग-बिरंगे दीये, लाइट्स और मोमबत्तियां आदि शामिल थे।

गुरुग्राम स्थित वाटिका सिटी में दीवाली मेले में खरीददारी करते लोग।

दुकानों पर लगी भीड़ बता रही थी कि सभी इस दिवाली मेले का लुत्फ जमकर उठा रहे हैं। यह त्योहार वास्तव में संस्कृति, रंगों, परंपराओं और खुशहाली का उत्सव है। इस मौके पर पूरी सोसाइटी को निवासियों ने रंगोली के रंगों को जमीन पर उकेरकर दीयों की रोशनी की हुई थी।

वाटिका सिटी की रहने वाली निवासी अंकिता ने कहा कि दिवाली रंगों और दीयों का त्यौहार है जिसमें अपने परिवारजन और मेहमानों संग भागदौड़ भरी जिंदगी से हटकर कुछ पल साथ बिताने का मौका मिलता है।

ROZANA NEWS

दो दिवसीय दिवाली मेले की वाटिका सिटी में रही धूम

by admin — October 27, 2018 in जीवन शैली, फैशन, मनोरंजन, विश्व, संगीत, समाचार 0

दो दिवसीय दिवाली मेले की वाटिका सिटी में रही धूम

उमेश शर्मा रोजाना न्यूज

गुरुग्राम। रोशनी, मिठाइयों, नए-नए कपड़ों, रंगोली के रंगों का त्योहार दिवाली सबके मन को खुशियों से भर देता है। कहीं बच्चों की पटाखों को फोडऩे की धूम तो कहीं लक्ष्मी-गणेशजी की पूजा-अर्चना, तो कहीं दीयों से जगमगाता घर का कोना-कोना। ऐसी ही कुछ चहल-पहल, खुशियों से परिपूर्ण नजारा वाटिका ग्रुप के प्रबंधन संस्थान एनवायरो की ओर से आयोजित दो दिवसीय दिवाली मेले में देखने को मिला।

सेक्टर-49 स्थित वाटिका सिटी में दोपहर 12 बजे से रात साढ़े नौ बजे तक दिवाली मेले का आयोजन किया गया था। हर साल की तरह इस वर्ष भी दिवाली मेले में कई तरह की दुकानें सजाई गई, जिसमें रंग-बिरंगे परिधानों, मिठाइयां, लजीज जायकेदार व्यंजनों, गहनों, पटाखों, बच्चों के खिलौने एवं बड़े-बड़े झूले, घरों को सजाने के लिए मिट्टी के रंग-बिरंगे दीये, लाइट्स और मोमबत्तियां आदि शामिल थे। दुकानों पर लगी भीड़ बता रही थी कि सभी इस दिवाली मेले का लुत्फ जमकर उठा रहे हैं। यह त्योहार वास्तव में संस्कृति, रंगों, परंपराओं और खुशहाली का उत्सव है। इस मौके पर पूरी सोसाइटी को निवासियों ने रंगोली के रंगों को जमीन पर उकेरकर दीयों की रोशनी की हुई थी। वाटिका सिटी की रहने वाली निवासी अंकिता ने कहा कि दिवाली रंगों और दीयों का त्यौहार है जिसमें अपने परिवारजन और मेहमानों संग भागदौड़ भरी जिंदगी से हटकर कुछ पल साथ बिताने का मौका मिलता है।